हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 72 देहरादून, शनिवार, 03 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

देहरादून में महिलाओं का बाजार बनेगा आत्मनिर्भर मातृशक्ति की पहचान 3

शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि : पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी ,3 सितंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मसूरी में शहीद हुए राज्य आन्दोलनकारियों के परिवारजनों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों के बलिदान के कारण ही हमें उत्तराखण्ड राज्य मिला। उत्तराखण्ड राज्य आन्दोनकारियों ने जिस उद्देश्य से अलग राज्य की मांग की थी, उसके अनुरूप ही राज्य को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्य बनाने के लिए 10 साल का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। 2025 में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनायेगा, तब तक सभी विभागों को लक्ष्य दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी में गढ़वाल सभा के भवन निर्माण के लिए 1.50 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी जा चुकी है, इसके लिए और धनराशि की आवश्यकता होगी, तो वह दी जायेगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के माध्यम से राज्य आन्दोलनकारियों का चित्रण हो इसकी व्यवस्था की जायेगी। जिससे राज्य के युवाओं को राज्य आन्दोलनकारियों की वीरगाथाओं को दिखाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन में हमारी माताओं और बहनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के लिए पुरजोर पैरवी की जायेगी। इसके लिए सरकार उच्चतम न्यायालय जाने की तैयारी कर रही है। राज्य आन्दोलनकारियों के क्षैतिज आरक्षण का परीक्षण कर उचित समाधान निकाला जायेगा। सिपनकोट के लोगों की पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जायेगी।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन में मसूरी गोलीकांड एक महत्वपूर्ण घटना है। खटीमा एवं मसूरी से अलग राज्य निर्माण आन्दोलन को गति मिली। राज्य सरकार राज्य आन्दोलनकारियों के प्रति संवेदनशील है। इस अवसर पर पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, काशी सिंह ऐरी, मसूरी नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, मसूरी नगर पालिका परिषद् के पूर्व अध्यक्ष मन्नू मल, मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल, राज्य आन्दोलनकारी रवीन्द्र जुगरान, बलजीत सिंह सोनी मौजूद थे।

कोरोना से एम्स ऋषिकेश में एक मरीज की हुई मौत आज आए 62 नए मामले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 सितंबर। कोरोना से एम्स ऋषिकेश में एक मरीज की मौत भी हुई है। कोरोना संक्रमण दर 3.07 प्रतिशत रही। फिलवक्त प्रदेश में कोरोना के 418 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 182 और नैनीताल में 122 सक्रिय मामले हैं।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में निजी व सरकारी लैब से 2022 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इनमें से 1960 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

देहरादून में मिले 23 लोग कोरोना संक्रमित : देहरादून में सबसे अधिक 23 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा नैनीताल में 20, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ में चार-चार, हरिद्वार व टिहरी में दो-दो, चम्पावत, पौड़ी व उत्तरकाशी में एक-एक कोरोना संक्रमित मिला है।

उत्तराखंड के तीन अन्य जिलों बागेश्वर, रुद्रप्रयाग व चमोली में आज शुक्रवार को कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला नहीं मिला है।

अब तक 322 मरीजों की मौत

इधर, विभिन्न जिलों से 1937 सैंपल कोरोना जांच को भेजे गए। प्रदेश में इस साल कोरोना के 1,03,345 मामले आए हैं।

इनमें से 98,878 (95.68 प्रतिशत) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। कोरोना से इस साल अब तक 322 मरीजों की मौत भी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग भले ही रुड़की क्षेत्र में डेंगू का एक भी मरीज न आने का दावा कर रहा हो, लेकिन शंकरपुरी ब्रह्मपुरी गांव में डेंगू ने कहर मचाया हुआ है। यहां करीब 50 डेंगू के संदिग्ध मरीज हैं। किसी-किसी घर में तो डेंगू से दो से पांच सदस्य तक पीड़ित हैं। कई मरीज निजी अस्पतालों में भर्ती हैं।

जबकि कई मरीज अपने घर पर रहकर ही उपचार करा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

स्थानीय महिलाओं के लिए 30% कोटा उत्तराखंड सरकार SC से संपर्क करेगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,3 सितंबर। उत्तराखंड सरकार ने ₹राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं के लिए 30% क्षैतिज आरक्षण₹ के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट (SC) में एक विशेष अनुमति याचिका (SLP) दायर करने का निर्णय लिया है। इस मुद्दे पर फैसला लेने के लिए गुरुवार को राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव एसएस संधू की अध्यक्षता में कार्मिक विभाग की उच्च स्तरीय बैठक हुई. अधिकारियों ने कहा कि बैठक के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हालांकि इस मामले पर अंतिम फैसला लेंगे। यह कदम 24 अगस्त को एचसी द्वारा 24 जुलाई, 2006 के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगाने के बाद आया है, जिसने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग में महिलाओं को 30% क्षैतिज आरक्षण की अनुमति दी थी।सरकार के आदेश को पहले यूपी और हरियाणा की 16 महिलाओं द्वारा एचसी में चुनौती दी गई थी, जिन्होंने तर्क दिया था कि ₹कोई भी राज्य अधिवास के आधार पर आरक्षण की पेशकश नहीं कर सकता है और वे मनमाने ढंग से भेदभाव के कारण अवसरों को खो रहे हैं₹। कार्तिकेय हरि गुप्ता, के वकील एचसी में 16 याचिकाकर्ताओं ने टीओआई को बताया, ₹राज्य के पास अधिवास-आधारित आरक्षण की अनुमति देने या प्रदान करने की शक्ति नहीं है। हमारा संविधान केवल संसद के माध्यम से इस तरह के आरक्षण की अनुमति देता है। 2006 का राज्य आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 16, 19 और 21 का स्पष्ट उल्लंघन है।

नौसेना के नए ध्वज के बारे में जानिए ख़ास बातें, चौथी बार नया स्वरुप मिला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना के नए ध्वज का भी अनावरण कर देश को समर्पित किया है। वहीं आपको बता दें कि 1950 के बाद से यह चौथी बार है जब नौसेना का ध्वज बदल गया है. प्रधानमंत्री कार्यालय ने पहले ही कहा कि ये औपनिवेशिक अतीत को दूर करेगा और समृद्ध भारतीय समुद्री विरासत के अनुरूप है. सीधे शब्दों में कहें तो एक नौसेना का ध्वज वह ध्वज है जो नौसेना के युद्धपोतों, ग्राउंड स्टेशनों और नौसेना के हवाई अड्डों सहित सभी नौसैनिक प्रतिष्ठानों के ऊपर फहराया जाता है. हर देश की नौसेना का अपना ध्वज होता है. अमेरिकी नौसेना का ध्वज राष्ट्रीय ध्वज के समान है. लेकिन कई दूसरी नौसेनाओं के पास राष्ट्रीय ध्वज से अलग नौसैनिक ध्वज हैं.

मौजूदा भारतीय नौसेना की जड़ें औपनिवेशिक काल से है. 2 अक्टूबर 1934 को नौसेना सेवा का नाम बदलकर रॉयल इंडियन नेवी कर दिया गया, जिसका मुख्यालय बॉम्बे (अब मुंबई) में है. 1950 में जब भारत एक गणतंत्र बना, तो 'रॉयल' शब्द हटा दिया गया. भारतीय नौसेना का इस समय तक जो ध्वज था, वह क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर लाल धारियों वाला एक सफेद झंडा है. जिसके ऊपरी एक चौथाई हिस्से में तिरंगा लगा है. बहरहाल 1950 में जब भारतीय गणतंत्र बना तो नौसैनिक ध्वज का 'भारतीयकरण' किया गया. उस समय झंडे में सफेद पृष्ठभूमि पर सेंट जॉर्ज का रेड क्रॉस था, जिसके ऊपरी बाएं कोने में यूनाइटेड किंगडम के यूनियन जैक के साथ सेंट जॉर्ज का रेड क्रॉस था. तब यूनियन जैक की जगह तिरंगे को लगा दिया गया.

इसके बाद 2001 में भारतीय नौसेना ने सेंट जॉर्ज के क्रॉस के हटाकर नौसेना बैज लगाने का फैसला किया. जिसमें राज्य के प्रतीक सारनाथ के सिंह राजचिह्न के नीचे एक लंगर का निशान था. हालांकि 2004 में ध्वज पर एक बार फिर से सेंट जॉर्ज रेडक्रॉस लगा दिया गया था. क्योंकि ऐसी शिकायतें थीं कि नया ध्वज सही ढंग से दिखता नहीं था क्योंकि नौसेना के ध्वज का नीला रंग आसमान और समुद्र के रंग में खो जाता था. ध्वज में एक बदलाव किया गया और सेंटजॉर्ज क्रॉस के बीच में अब राज्य का प्रतीक राजचिह्न लगाया गया था. नए नौसैनिक ध्वज के डिजाइन क्रॉस को पूरी तरह हटा दिया गया है.

होश उड़ा देगा दौलतमंद अडानी का तूफानी कार कलेक्शन

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 सितम्बर। गौतम अडानी के कार कलेक्शन में रोल्स रॉयस घोस्ट से लेकर फेरारी कैलिफ़ोर्निया जैसी कई लग्ज़री कारें शामिल हैं। इसके अलावा वो ऑडी क्यू7 में भी सफर करते हुए देखे जाते हैं।

आज हम आपको गौतम अडानी के कार कलेक्शन के बारे में बताएंगे, आपके जेहन में ये सवाल जरूर आता होगा कि, आखिर दुनिया का तीसरा सबसे अमीर शख्स किस तरह की कारों को पसंद करता है। रिपोर्ट्स के अनुसार गौतम अडानी के कार कलेक्शन में रोल्स रॉयस घोस्ट, फेरारी कैलिफ़ोर्निया, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज़, ऑडी क्यू 7 और कई अन्य लग्ज़री कारें शामिल हैं।

ब्रिटिश कार निर्माता कंपनी रोल्स रॉयस की बेहतरीन कार घोस्ट अडानी के गैराज में शामिल सबसे स्पेशल कारों में से एक है। बताया जाता है कि वो इस कार का इस्तेमाल ख़ास मौकों पर ही करते हैं। ये स्टैंडर्ड रोल्स रॉयस घोस्ट नहीं है, बल्कि इसे गौतम अडानी के रूचि के अनुसार कस्टमाइज़ किया गया है।

इस कार में कंपनी ने 6.6 लीटर की क्षमता का ट्वीन-टर्बो वी12 पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया है, जो कि 562bhp की दमदार पावर और 780Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। ये इंजन 8-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स से लैस है। कंपनी का दावा है कि ये कार महज 5 सेकेंड में ही 0 से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ़्तार पकड़ने में सक्षम है। इसकी टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रतिघंटा है।

स्पोर्ट कार के शौकीन अडानी के बेड़े में फेरारी कैलिफोर्निया भी शामिल है। आपको बता दें कि, जब इस कार को लॉन्च किया गया था, उस वक्त ये फेरारी की सबसे किफायती स्पोर्ट कारों में से एक थी। फेरारी कैलिफ़ोर्निया केवल 4 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति पकड़ सकता है और इसक टॉप स्पीड 310 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा है।

लग्ज़री कारों के शौकीनों के गैराज में बीएमडब्ल्यू शामिल न हो ऐसा भला कैसे हो सकता है। गौतम अडानी के कलेक्शन में बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज सेडानों का एक पूरा फ्लीट (कई कारें) शामिल हैं,

देहरादून में महिलाओं का बाज़ार बनेगा आत्मनिर्भर मातृशक्ति की पहचान

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 सितंबर। अगर ऐसा हुआ तो मातृशक्ति के हौसले और कुर्बानियों से पैदा हुए पहाड़ी राज्य उत्तराखंड को एक नई उपलब्धि हासिल हो जाएगी। देश के कई राज्यों की तरह अब देहरादून गुजरात और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर नगर निगम देहरादून ऐसा बाजार बनाएगा, जिसमें सिर्फ महिलाएं दुकानदार होंगी. इसके लिए जल्द ही चयन करके वेंडिंग जोन बनाने की बात कही जा रही है. इसमें स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को वरीयता दी जाएगी. साथ ही दुकानें बाकी रहने पर अन्य समूहों को भी मौका दिया जायेगा. नगर निगम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उत्पाद बनाने वाली महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराना है..

बता दें कि देहरादून में कई ऐसी महिला उद्यमी और महिला सहायता समूह हैं, जो अपने उत्पाद तैयार करते हैं, लेकिन उन्हें बाजार उपलब्ध नहीं हो पाता. इस कारण उनके उत्पाद ज्यादा नहीं बिकते हैं. साथ ही प्रचार-प्रसार भी नहीं हो पा रहा है. कई ऐसी महिलाएं भी हैं जो अपनी आर्थिकी चलाने के लिए स्वरोजगार शुरू करना चाहती हैं.

मीडिया से इस विशेष योजना के बारे मे बात करते हुए देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मेयर काउंसलिंग की एक बैठक थी. उसमें देशभर से करीब 52 मेयर ने हिस्सा लिया था. सभी मेयर ने अपने-अपने प्रदेश और शहरों में क्या-क्या नगर निगम के माध्यम से काम हो रहे है, उसकी चर्चा की थी. कुछ काम ऐसे थे जो सभी को अच्छे लगे. जैसे महिला बाजार है. छत्तीसगढ़ और गुजरात में ऐसे बाजार लग रहे हैं. इन प्रदेश में महिलाओं के लिए ही दुकान आवंटित की गई हैं, तो उससे स्वरोजगार के लिए आगे बढ़ीं हैं.अब ऐसे में यहाँ भी ऐसी योजना को कामयाब बनाने की तैयारी है।

स्मार्ट सिटी की सीईओ सोनिका ने 'दून-1 ऐप' मोबाइल एप्लीकेशन की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

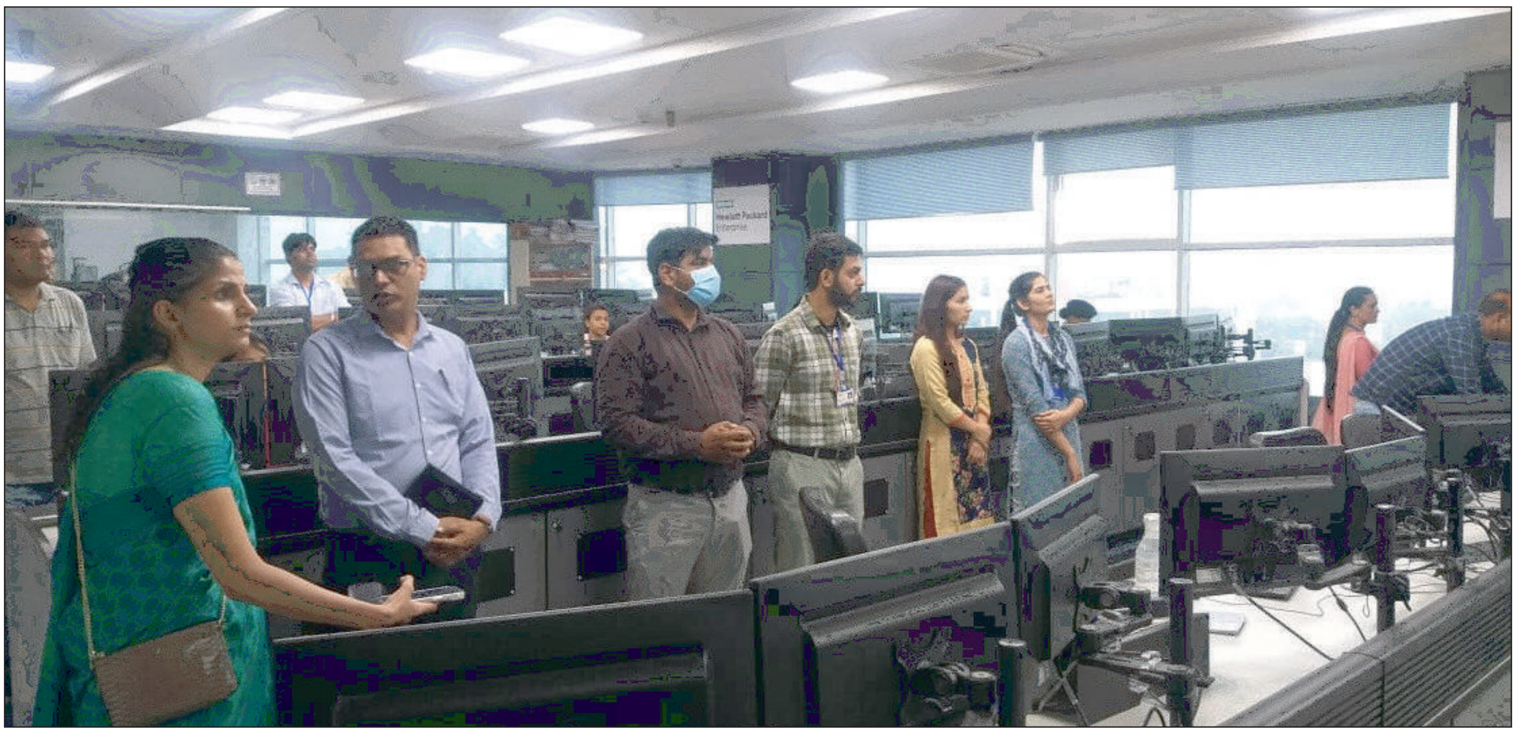

देहरादून 3 सितम्बर। देहरादून स्मार्ट सिटी की सीईओ सोनिका द्वारा डी०आई०सी०सी०सी० का स्थलीय निरिक्षण किया गया। निरिक्षण में सीईओ द्वारा विशेष रूप डी०आई०सी०सी०सी० के अंर्तगत बनाये गए 'दून-1 ऐप' मोबाइल एप्लीकेशन की समीक्षा की गयी। बता दें कि 'दून-1 ऐप' मोबाइल एप्लीकेशन अंतर्गत मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली, सूचना का अधिकार, बैठक प्रबंधन, एंव शहर में कूड़ा उठाने की समस्या से लेकर उसके निस्तारण का इसी ऐप के माध्यम से प्रबंधन किया गया है। इस वेब पोर्टल के अन्तर्गत निम्न सुविधाएं हैं -सिटीजन पोर्टल व सिटीजन मोबाईल ऐप इसके अन्तर्गत नागरिकों के लिए सिटीजन पोर्टल व मोबाईल एप्प में प्रत्येक नागरिक अपने प्रमाणपत्रों के साथ अपना निजी अकाउन्ट बना सकते हैं,

इस पोर्टल के माध्यम से किसी भी विभाग, संस्थान आदि से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की समस्या होनें पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करायी जा सकते हैं, नागरिकों द्वारा इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आर0टी0आई0 दर्ज करायी जा सकती है, नागरिकों द्वारा इस पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों यथा जल संस्थान, पेयजल निगम, बिजली विभाग, आर0टी0ओ0, नगर निगम आदि को उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं जैसे पानी के बिल, बिजली के बिल, सीवर आदि के बिल, हाउस टैक्स, आ0टी0ओ0 फीस आदि को इसी पोर्टल से ऑनलाइन माध्यम से जमा किया जा सकते हैं, नागरिकों द्वारा इस पोर्टल के माध्यम से देहरादून नगर निगम के द्वारा दी जाने वाली सेवाओं यथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्राप्त कर सकेगें तथा कचरा सम्बन्धित समस्याओं का निस्तारण भी ऑनलाइन ही किया जा सकता है,

इस पोर्टल के माध्यम से देहरादून शहर में चलने वाले प्रगति कार्यों के बारे में सीधे जानकारी प्राप्त की जा सकेगी जैसे उदाहरण के रूप में इस समय स्मार्ट सिटी में कौन से कार्य किये जा रहे है एवं कौन सी निविदाएं प्रकाशित की गयी है, इस पोर्टल के माध्यम से पुलिस से सम्बन्धित सेवाएं यथा ई-चालान, आपातकालीन सेवाओं से आसानी से जुड़ा जा सकता है, इस पोर्टल के माध्यम से देहरादून में स्थित होटल, टूरिस्ट प्लेसेस, रजिर्स्टड टैबल एजेन्ट तथा यात्रा सम्बन्धित सभी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित सेवाओं जैसे हाउस लेआउट, हाउस लेआउट स्थिति एवं भुगतान की सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है ।

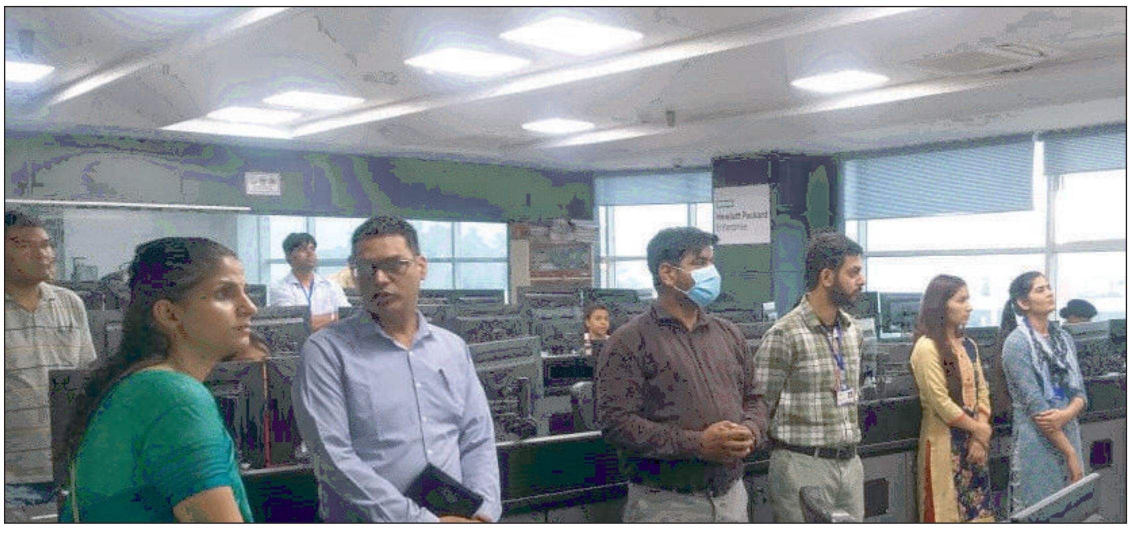

उत्तराखंड पुलिस के दो अधिकारियों को मिला FICCI स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 सितम्बर। प्रदेश के लिए गर्व का पल, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड के निर्देशन में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उत्तराखंड पुलिस के दो अधिकारियों को मिला FICCI स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड, देश भर के राज्यों, सेंट्रल पैरा मिलिट्री ऑर्गेनाइजेशन आदि 192 एंट्रीज में पाया उत्तराखंड के दो अधिकारियों ने स्थान।

उत्तराखण्ड पुलिस ने एक बार फिर प्रदेश का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। 02 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा केवल खुराना, पुलिस महानिरीक्षक, एससीआरबी और अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ को स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने दोनों अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन आगे भी बेहतर पुलिसिंग में जारी रखने हेतु प्रेरित किया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा प्रत्येक वर्ष पुलिसिंग में बेहतर कार्य करने पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। FICCI द्वारा वर्ष 2021 के लिए केवल खुराना, पुलिस महानिरीक्षक, एससीआरबी को पहला अवार्ड सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन श्रेणी के तहत सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था हेतु बनाए गए उत्तराखंड ट्रैफिक आईज ऐप के लिए दिया गया।

पुलिस महानिरीक्षक केवल खुराना द्वारा निदेशक यातायात, उत्तराखण्ड के पद पर रहते हुए राज्य में आये दिन लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। इस दौरान दिनांक 29 फरवरी, 2020 को उनके निर्देशन में यातायात निदेशालय द्वाराउत्तराखंड ट्रैफिक आईज ऐप का शुभारम्भ किया गया, जिसका उद्देश्य यातायात व्यवस्था बनाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने में आम जनता को उत्तराखंड पुलिस की आँखों की तरह प्रयोग कर उनका सहयोग लेना है।

उत्तराखंड ट्रैफिक आईज ऐप को वर्तमान में उत्तराखंड पुलिस ऐप में एंट्री ग्रेड किया गया है। यह एप आम लोगों में काफी प्रसिद्ध होने के कारण उत्तराखंड पुलिस एप में भी काफी अच्छे परिणाम दे रहा है। उत्तराखंड ट्रैफिक आईज ऐप के माध्यम से वर्ष 2020 से वर्ष 2022 तक लगभग 70247 कुल शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिन पर कार्यवाही करते हुए लगभग 44,84,400 संयोजन शुल्क वसूला गया है।

FICCI द्वारा दूसरा अवार्ड अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ को साइबर अपराध प्रबंधन श्रेणी में स्मार्ट पुलिसिंग की पहलों के लिए शुरू किए गए ई-सुरक्षा चक्र 2.0 के लिए प्रदान किया गया। स्पेशल टास्क फोर्स उत्तराखण्ड राज्य में घटित गंभीर प्रकृति के अपराधियों एवं साइबर क्राइम के अपराधों की रोकथाम हेतु नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत है । स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा संयुक्त रूप से घटित साइबर क्राइम, वित्तीय हानि के अपराधों के प्रति आम जनता को जागरूक किये जाने हेतु व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है । साथ ही समय समय- पर सम्पूर्ण भारतवर्ष से ऐसे अपराधियों की गिरफ्तारी कर साइबर क्राईम के अपराधों में काफी हद तक अंकुश लगाया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा साइबर क्राईम के क्षेत्र में उच्च कार्यदक्षता का परिचय दिया गया तथा उत्तराखण्ड की वह प्रथम एजेन्सी बनी जिसके द्वारा क्रिप्टो करेन्सी के माध्यम से धोखाधडी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कर ऐसे अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। साथ ही मेंवात (राजस्थान/झाऱखण्ड) के ऐसे दुर्गम क्षेत्रो में जहाँ पर साइबर अपराधियों द्वारा साइबर अपराध सम्बन्धी घटनाओं को कारित किया जा रहा था स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा ऐसे दुर्गम स्थानों पर अपनी पकड़ बनाते हुये इन क्षेत्रो से साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुचाया गया। देश की विभिन्न नोडल एजेन्सियों (ई0डी0/आई0बी0/आर0ओ0सी0/दूरसंचार/रिर्जव बैक) से सम्पर्क स्थापित कर साइबर क्राईम के क्षेत्र में बढ रहे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए साइबर हैकाथॉन का दूसरा संस्करण आयोजित करने वाली देश की पहली राज्य पुलिस बनी।

चमोली एसपी श्वेता चौबे के महिला जनजागरूकता अभियान को मिल रही कामयाबी

छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, महत्वपूर्ण जानकारियाँ देकर किया गया छात्र-छात्राओं को जागरूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक साझू प्रयास,पुलिस वाला गुरजी का साथ के अंतर्गत आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही आमजनमानस को महत्वपूर्ण जानकारियां देकर अधिक से अधिक जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में उ.नि. दिगम्बर उनियाल एवं महिला हेल्प लाईन प्रभारी मीता गुसांई द्वारा रा.इ.का. बैरांगना के छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित विद्यालय स्टाफ को जागरूक किया गया और साथ ही छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें महिला उ.नि. मीता गुसांई द्वारा छात्राओं को पंच बांधना, शरीर की कमजोर कड़ी पर वार करना, किसी की पकड़ से खुद को छुडाने के साथ पैरों से वार करने आदि तकनीकी का प्रशिक्षण देते हुए गुड टच बेड टच की जानकारी दी गयी।

जागरुकता कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं वहाँ उपस्थित विद्यालय स्टाफ को महिला हेल्पलाइन, गौरा शक्ति एप, उत्तराखंड पुलिस एप, यातायात नियमों, साइबर अपराध एवं उनसे बचाव के तरीके, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, मानव तस्करी, आपातकालीन नम्बर डायल-112, एवं साइबर हेल्पलाइन नम्बर-1930, सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एवं दुष्प्रभाव, सोशल नेटवर्किंग साइट की जानकारी एवं सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों, एटीएम/ बैंक फ्रॉड, आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी, एवं अपने साथ होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

डीएम युगल किशोर ने स्कूल प्रबन्धन को बच्चों के सुरक्षा नियम सिखाया प्रबंधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर, 3 सितम्बर। जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त की अध्यक्षता में स्कूल प्रबन्धन तथा अभिभावकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने कहा कि बसों के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित लाना व ले जाना स्कूल प्रबन्धन एवं संचालकों का दायित्व है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रबन्धक एवं संचालक सीबीएसई द्वारा जारी गाइड लाइन को भलि भांति समझलें। उन्होंने सुरक्षात्मक दृष्टि से निर्देशित करते हुए कहा कि जिन वाहनों की अभी तक फिटनेस नहीं हुई है, एक सप्ताह के भीतर फिटनेस कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बसों के ड्राईवर, कन्डक्टर सहित सभी स्टॉफ का पुलिस सत्यापन जरूर कराया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बस ओवर लोडिंग कतई नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने विगत दिवस हुई गैस रिसाव की दुर्घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटी से छोटी लापरवाही बहुत भारी पड़ सकती है, इसलिए सभी प्रबन्धन एवं संचालक गाइड लाइन का शतप्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा नियमों, मोटर वाहन अधिनियमों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु वृहद्ध अभियान चलाने के निर्देश पुलिस तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिये।

बैठक में एआरटीओ बीके सिंह ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा स्कूल बसों को लेकर जारी की गई नई गाइडलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि बस का रंग पीला होना चाहिए, आगे-पीछे स्कूल बस लिखा हो, किसी एजेंसी से बस अनुबंध पर ली है तो उस पर ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना चाहिए, बसों में फर्स्ट एड बॉक्स होना चाहिए, जिसमें दवाईयां एक्सपायरी डेट की न हों, स्पीड गर्वनर, खिड़कियों में होरिजोंटल ग्रिल जाली लगी हो, आग बुझाने के उपकरण, स्कूल का नाम और फोन नंबर लिखा हो, बस में सीट के नीचे बैग रखने की व्यवस्था होनी चाहिए। बस ड्राइवर को कम से कम 5 साल हैवी व्हीकल चलाने का अनुभव होना चाहिए।

बैठक में एएसपी क्राईम अभय कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक एके सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही, स्कूल संचालकों एवं प्रबन्धकों में चौधरी विनोद सिंह फोगाट, भुवन काण्डपाल, सतपाल सिंह, परविन्दर कुमार, रोहित सिंह, नीतेश सरकार, सन्दीप यादव, मनोज कुमार, विजय सिंह, बंशीधर, महेन्द्र सिंह, मौ.इसरार अली, राजेश कुमार, अजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

NCRB की रिपोर्ट के मुताबिक चोरी का माल बरामद करने में उत्तराखंड पुलिस सबसे आगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस विभाग के लिए यह सबसे बड़ी खुशखबरी है, आपको बता दें कि एनसीआरबी की ओर से जारी क्राइम इन इंडिया 2021 की रिपोर्ट में चोरी की संपत्ति की बरामदगी की लिस्ट में उत्तराखंड पुलिस ने पहला स्थान हासिल किया है। 'क्राइम इन इंडिया - 2021' रिपोर्ट के अनुसार, 2020 और 2019 की तुलना में 2021 में मामलों में गिरावट दर्ज की गई, जो 5,613 और 7,656 दर्ज की गई। एनसीआरबी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।उत्तराखंड पुलिस 68.7 फीसदी सफलता के साथ पहले नंबर पर है। जो अन्य सभी राज्यों के राष्ट्रीय औसत 30.2 प्रतिशत से दोगुने से भी अधिक है। सबसे पहले आपको बता दे की NCRB क्या है ?राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो अंग्रेजी में NCRB भारत सरकार, गृह मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय है। जो की नई दिल्ली स्थित इस ब्यूरो का मुख्य उद्देश्य भारत की पुलिस का आधुनिकीकरण करना और उसे सूचना प्रौद्योगिकी में सशक्त बनाना है।डीजीपी अशोक कुमार ने ट्वीट कर अपने सभी साथियों को बधाई दी और कहा कि यह प्रधानमंत्री के स्मार्ट पुलिस विजन के तहत की गई पुलिसिंग का नतीजा है, जिसमें राज्य पुलिस को देश में पहला स्थान मिला है।

इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म जल्द ही पेड फीचर्स पेश कर सकते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक कथित तौर पर एक नया समूह स्थापित कर रहा है जो अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म के लिए उत्पादों और सुविधाओं को बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसे लोग खरीद सकेंगे।दिलचस्प बात यह है कि प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में बताया, ₹कोई भी नया उत्पाद हमारे मौजूदा विज्ञापन व्यवसाय का पूरक होगा।₹ यह कदम मेटा को उसी तरह से रखेगा जैसे स्नैप इंक और ट्विटर इंक सहित कंपनियों ने लॉन्च किया है। अतिरिक्त सुविधाओं को अनलॉक करने के लिए भुगतान किए गए स्तर।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि द वर्ज ने सबसे पहले विकास की सूचना दी, यह देखते हुए कि कंपनी के पास विज्ञापनों को बंद करने के लिए उपयोगकर्ताओं को भुगतान करने की कोई योजना नहीं है और विज्ञापन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जॉन हेगमैन, मेटा के विज्ञापनों और व्यावसायिक उत्पादों के प्रमुख। हेगमैन ने कथित तौर पर द वर्ज को बताया, लंबी अवधि में, मेटा देखता है कि भुगतान की गई सुविधाएँ उसके व्यवसाय का अधिक सार्थक हिस्सा बन रही हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट पर मिला 41 लाख रुपये का लहंगा....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुबई जा रहे एक भारतीय यात्री को सीआईएसएफ कर्मियों ने दिल्ली हवाईअड्डे पर लहंगे के बटनों में छिपाकर 41 लाख रुपये मूल्य की सऊदी रियाल की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। सुरक्षाकर्मियों ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर सुरक्षा जांच के दौरान सुबह करीब चार बजे उस व्यक्ति को रोका।

अधिकारियों ने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों ने एक्स-रे स्कैनर मॉनिटर पर यात्री के बैग में रखे बटनों की संदिग्ध तस्वीरें देखीं और आगे की जांच करने का फैसला किया।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यात्री को स्पाइसजेट की उड़ान से दुबई जाना था। उन्होंने कहा कि 41 लाख रुपये मूल्य के 1,85,500 सऊदी रियाल का कैश और महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले 'लहंगे' में इस्तेमाल किए गए बटनों के अंदर चौकोर आकार में बड़े करीने से फोल्ड करके रखा गया थाअधिकारी ने कहा कि यात्री को विमान से उतार दिया गया और आगे की जांच के लिए सीमा शुल्क अधिकारियों को सौंप दिया गया।

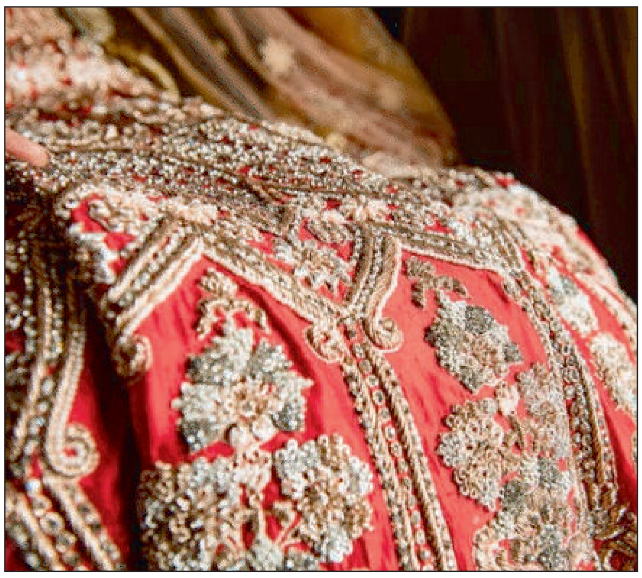

उत्तराखंड के इस गाँव में है 8 जवानों की आत्माएं का कब्ज़ा

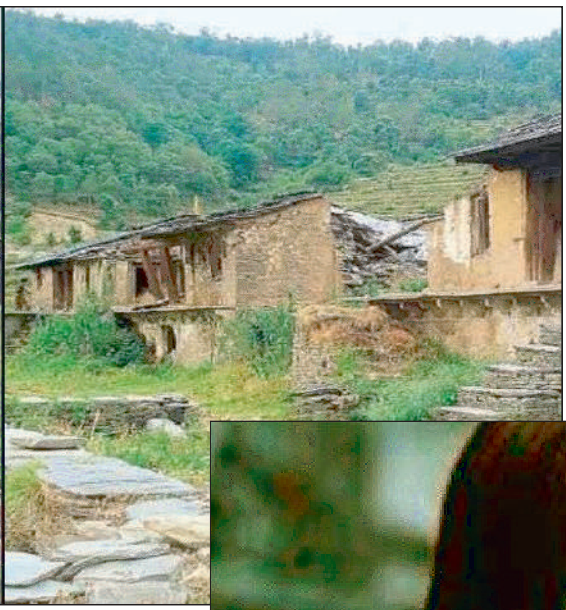

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इंसानों की बस्ती के बारें में आप ने सुना होगा। अब आप सोच रहें हैं की हम यह अटपटा सवाल क्यों कर रहे हैं। तो आप को हैरान होने की जरूरत नही है। आप को हम बतातें है की भारत में एक ऐसा गांव जहां पर इंसान नही रहतें हैं। कभी इंसानों से और हलचल से भरा यह गावं आज कोसो दूर तक विराना यहां पसरा रहता है। क्योंकि इस गांव में इंसान नही बल्की भूत रहतें हैं। इसे भूतो का गांव भी कहा जाता है, आखिर ऐसा क्या हुआ इस गांव में जो यह बन गया भूतो का अड्डा

देव भूमि उत्तराखंड इससे देखने और यहां घुमने हर साल लाखो देशी और विदेशी पर्यटक यहां आते हैं। इसे भारत का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। क्योंकि यहां की पहाड़ी और प्रकृति की खूबसूरती देखते ही बनती हैं। लेकिन आगर आप उत्तराखंड में चंपावत जिले का स्वाला गांव हैं। इस गांव को भुतहा गांव के नाम से जाना जाता है। इस गांव के भुतहा बनने के पीछे एक अनोखी कहानी है। कहतें हैं की इस गांव के पास एक बार 1952 में पीएसी की एक बटालियन जा रही थी और उसमें 8 जवान बैठे थे।

लेकिन इस गांव के पास गाड़ी खाई में गिर गई और गाड़ी के अंदर फंसे जवान अपने बचाव के लिए गांव के लोगो के पुकारते रहें लेकिन गांव के लोग उनके सामान लूटते रहें। जिसके बाद आठो जवानों की तड़प तड़प के मौत हो गई। लेकिन उसके बाद जवानों की रूह ने इस गांव में वो कोहराम मचाया की इस गांव को छोड़ लोगों को भागना पड़ा। आज भी इस इस गांव में इनकी आत्माएं घुमती रहती हैं। इस लिए इस गांव में कोई रहता नही है। गाँव वालो को लगता था जैसे कोई और भी उनके साथ चल रहा है। इन सब घटनाओं से तंग होकर एक दिन गांव वाले गांव छोड़ कर भाग गए। धीरे धीरे इस गांव के भुतहा होने की खबर आस पास भी फैलने लगी लगी। जिसके बाद किसी ने भी इस गांव में जाने की भी कोशिश नहीं की।

मगर कुछ समय बाद गांववालों ने जिस खाई में जवानों की गाड़ी गिरी थी, उस जगह पर जवानों की आत्मा की शांति के लिये नवदुर्गा का मंदिर बनवाया। मगर फिर भी इस जगह पर रहना तो दूर जाना तक लोग पसंद नहीं करते हैं। कभी एक समय था जब यहां लोग बसा करते थे लेकिन 1952 में हुए एक हादसे के बाद सब कुछ बदल गया। तब से लेकर अभी तक इतने सालों से ये गांव वीरान पड़ा है और ना जाने कब तक ये गांव ऐसे ही वीरान रहेगा।

सुबह उठने के बाद क्या आपके भी शरीर में दर्द होता है? जाने क्या है कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोने के बाद शरीर में दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। शारीरिक कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी, खराब नींद या अपर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधि की कमी और गतिहीन जीवन शैली कुछ सामान्य कारण हैं। हालांकि शरीर में पोषण की कमी इसका एक बड़ा कारण है।

1. पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें

आपको संतुलित और पौष्टिक आहार लेना चाहिए। आहार में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करें जिनमें शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व हों। खासकर प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर और आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ। क्योंकि यह आपकी मांसपेशियों, हड्डियों, पाचन और शरीर में खून की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी है। डेयरी उत्पाद- दूध, दही, छाछ, पनीर आदि और सोयाबीन, मांस, दालें और मछली आदि को आहार का हिस्सा बनाएं। फलों और सब्जियों का अधिक सेवन करें।

2. एक्सरसाइज करें

कोशिश करें कि आप सुबह सो कर उठने के बाद 20-25 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें। खासकर स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जैसे योग। इसके अलावा आप बाहर मॉर्निंग वॉक भी कर सकते हैं।

3. गर्म पानी से नहाएं

गर्म पानी से नहाने से थकान को दूर करने में मदद मिलती है। साथ ही इससे मांसपेशियों में तनाव और सूजन को कम करने में भी मदद मिलती है। इससे आप तरोताजा महसूस करते हैं और दर्द में भी आराम मिलता है।

4. अच्छी नींद लें

नींद के दौरान शरीर खुद की मरम्मत करता है। इस दौरान शरीर की कोशिकाएं रिपेयर और रिकवर करती हैं। इसलिए आपको 7-8 घंटे की अच्छी नींद जरूर लेनी चाहिए। जल्दी सोने की कोशिश करें और सोने से कम से कम 1 घंटे पहले मोबाइल या लैपटॉप आदि के इस्तेमाल से बचें। इससे अनिद्रा, नींद न आना या बेचैन नींद जैसी समस्याएं होती हैं।

मसूरी और सहस्रधारा क्षेत्र में 24 घंटे में हुई रिकार्ड बारिश, नदी नाले उफान पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 सितम्बर। उत्तराखंड में मानसून के तेवर तल्ख बने हुए हैं। खासकर देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में भारी वर्षा परेशानी का सबब बनी हुई है। मसूरी और सहस्रधारा क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर रिकार्ड वर्षा हुई।

यहां गुरुवार से शुक्रवार तक 200 मिलीमीटर के करीब वर्षा हुई, जोकि पिछले 10 वर्ष में सितंबर में एक दिन में हुई सर्वाधिक वर्षा है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी देहरादून और नैनीताल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

प्रदेश में मानसून की सक्रियता बनी हुई है। कहीं धूप और कहीं झमाझम वर्षा हो रही है। देहरादून में अगस्त से भारी वर्षा का क्रम निरंतर जारी है। गुरुवार को दोपहर बाद मौसम के करवट बदलने से दून और आसपास के इलाकों में भारी वर्षा के कई दौर हुए।

मसूरी और सहस्रधारा क्षेत्रों में रात को शुरू हुई मूसलधार वर्षा शुक्रवार सुबह तक जारी रही। इस दौरान तमाम नदी-नाले उफान पर आ गए। मसूरी में सड़कों पर वर्षा का पानी बहने लगा, जिससे पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मसूरी में 24 घंटे के भीतर 194 मिमी वर्षा

वहीं, सहस्रधारा क्षेत्र में बरसाती नालों के उफान पर आने से कई स्थानों पर मार्ग बाधित हुए। नदियों के किनारे बसे व्यक्तियों के आवासों को खतरा पैदा हो गया है। मसूरी में 24 घंटे के भीतर 194 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सहस्रधारा क्षेत्र में भी 150 मिमी से अधिक वर्षा रिकार्ड की गई।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार उत्तराखंड में फिलहाल मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। शनिवार को प्रदेशभर में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। देहरादून और नैनीताल समेत आसपास के इलाकों में गरज के साथ भारी वर्षा हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में आकाशीय बिजली चमकने के साथ ओलावृष्टि की भी संभावना है।

संपादकीय

भ्रामक विज्ञापन बंद हों

हमारे देश में शराब और तंबाकू के विज्ञापन पर रोक है, लेकिन इन्हें बनाने-बेचनेवालों ने एक रास्ता निकाल लिया है. वे ठीक उसी उत्पाद के नाम से विज्ञापन बनाते हैं, पर उनमें कुछ अन्य चीजों का उल्लेख कर देते हैं. उदाहरण के लिए, शराब के ब्रांड के नाम पर सोडा या सीडी बेचना या गुटखे की जगह इलायची लिख देना आम चलन बन गया है. इन्हें सरोगेट विज्ञापन कहा जाता है, जिनका इरादा आखिरकार बुनियादी ब्रांड व उत्पाद का प्रचार होता है. नागरिक संगठनों ने भी भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतें की है. इसके बावजूद न तो उत्पादक सुधर रहे हैं और न ही विज्ञापन एजेंसियों का रवैया बदला है. इस प्रवृत्ति का गंभीरता से संज्ञान लिया गया है. सरकारी निर्देश में यह भी रेखांकित किया गया है कि खेल से संबंधित हालिया आयोजनों के वैश्विक प्रसारण के दौरान इस तरह के विज्ञापनों को दिखाया जाता रहा. सरकार की यह चिंता भी सही है कि इन विज्ञापनों में बड़े-बड़े सेलिब्रिटी होते हैं, जिनके प्रोत्साहन से लोगों, विशेष रूप से युवाओं पर नकारात्मक असर पड़ता है. निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि अगर ऐसे विज्ञापन नहीं रोके जायेंगे, तो केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकार कड़ी कार्रवाई के लिए बाध्य होगा. शराब और तंबाकू के सेवन और लत के दुष्परिणाम जगजाहिर हैं. ये उत्पाद न केवल लोगों और परिवारों को तबाह करते हैं, बल्कि देश की स्वास्थ्य सेवा का बोझ भी बढ़ाते हैं. अब तो ऑनलाइन गेम की आड़ में जुआ खेलने का आमंत्रण देते विज्ञापन भी आम बात हो गये हैं. इनके बारे में सरकार पहले आगाह कर चुकी है. दुर्भाग्य की बात है कि इन चीजों के विज्ञापन से सिनेमा और खेल जगत की बड़ी हस्तियां जुड़ी होती हैं, जिनके करोड़ों प्रशंसक हैं तथा लोग उन्हें आदर्श की तरह देखते हैं. उन्हें यह सोचना चाहिए कि वे अपनी इस लोकप्रियता और सम्मान का उपयोग कर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. देश की आबादी के लगभग 5.2 प्रतिशत लोगों को शराब की लत से हो रही परेशानी के लिए मदद की दरकार है. लगभग 27 फीसदी कैंसर का मुख्य कारण तंबाकू है. इस संकट को और गंभीर नहीं बनाया जाना चाहिए. सभी संबद्ध पक्षों को देश के वर्तमान व भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित आचरण करना चाहिए.

तिरंगा सम्हाल कर रखें या सरकारी दफ्तर में जमा करें : झरना कमठान , CDO

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 सितम्बर , मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने बताया है कि आजादी के 75वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा का आयोजन किये जाने के निर्देश प्राप्त होने के पश्चात सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया कि तिरंगे को सम्मानपूर्वक निकालते हुए उसे संभालकर रखें या फिर किसी नजदीकि शासकीय कार्यालयों में जमा करें ताकि राष्ट्रीय ध्वज/तिरंगे का अपमान न हो सकें।

मुख्य विकास अधिकारी ने नगर आयुक्त, नगर निगम देहरादून एवं ऋषिकेश, अधिशासी अधिकारी डोईवाला/हरर्बपुर/सेलाकुई/मसूरी सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी को 30 अगस्त को जारी किए गए पत्र के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज को ससम्मान घरों में रखने अथवा शासकीय कार्यालयों में जमा करवाने हेतु कार्मिकों को निर्देशित करें ताकि राष्ट्रीय ध्वज को भारतीय ध्वज सहिंता में उल्लेखित नियमों के अनुसार कार्यवाही करें ताकि राष्ट्रीय ध्वज का अनादर या अपमान न हो।

घरवालों ने उजाड़ा बेटी का सुहाग, पोस्टमार्टम रिपोर्ट बयां कर रही हैवानियत की कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रानीखेत, 3 सितम्बर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में अंतर्जातीय विवाह करने पर युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई।जगदीश का पोस्टमार्टम राजकीय अस्पताल में किया गया। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों डॉ. संदीप दीक्षित और डॉ. दीप पार्की ने बताया है कि जगदीश की बेरहमी से पिटाई की गई है।

शरीर में 28 चोटों के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मरने तक जगदीश की पिटाई की गई। हत्या के बाद प्रशासन ने पूरे अस्पताल को ही छावनी में तब्दील कर दिया था। भिकियासैंण, रानीखेत, द्वाराहाट से भी अतिरिक्त पुलिस फोर्स बुला लिया गया।

जगदीश चंद्र की बेरहमी से पिटाई गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोटों के 28 निशान हैं। पोस्टमार्टम करने वाले राजकीय अस्पताल के डॉ. संदीप दीक्षित और डॉ. दीप पार्की ने बताया कि जगदीश के सिर में बायीं ओर गहरी चोट थी। जबड़ा टूटा था। नाक की हड्डी भी टूटी थी। बायें हाथ की कलाई की हड्डी और ऐड़ी भी टूटी पाई गई। जांघों के आगे-पीछे दोनों ओर चोट के निशान थे। गंभीर चोटों की वजह से जान जाने की संभावना है।

प्रशासन ने पूरे अस्पताल को ही छावनी में तब्दील कर दिया था। भिकियासैंण, रानीखेत, द्वाराहाट से भी अतिरिक्त पुलिस फोर्स बुला लिया गया। एडीएम चंद्र सिंह मर्तोलिया ने संयुक्त मजिस्ट्रेट जय किशन से घटना के बारे में जानकारी हासिल की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहां सीओ तिलक वर्मा, कोतवाल नासिर हुसैन भी मौजूद रहे।

सल्ट क्षेत्र के पनवाद्यौखन गांव निवासी जगदीश चंद्र (38) पुत्र केश राम ने 21 अगस्त को भिकियासैंण में सिनार मोटर मार्ग पर स्थित बेल्टी गांव की गीता उर्फ गुड्डी से प्रेम विवाह किया था। शादी गैराड़ मंदिर में हुई थी। इस शादी से गीता की मां भावना देवी, सौतेले पिता जोगा सिंह और सौतेला भाई गोविंद सिंह नाराज थे। बेटी के अंतर्जातीय विवाह से बौखलाए उसके परिजनों ने अनुसूचित जाति के युवक का अपहरण कर लिया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने जाते आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। मारे गए युवक ने 12 दिन पहले ही सामान्य जाति की युवती से मंदिर में शादी की थी।

ट्रक और एसएसबी की बस में टक्कर, चार जवान घायल, अस्पताल में भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टनकपुर,3 सितम्बर। टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर सूखीढांग के पास एसएसबी की बस और ट्रक की टक्कर में एसएसबी के चार जवान घायल हो गए। सभी घायलों को उप जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। गंभीर रूप से घायल एक जवान को सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर किया गया है। हादसे की वजह का पता नहीं चल सका है।

चंपावत स्थित एसएसबी की पंचम वाहिनी में शनिवार को फायरिंग होनी है। इसके लिए शुक्रवार शाम एसएसबी की बस जवानों को लेकर चंपावत से कमलपथ आ रही थी। इसी दौरान सूखीढांग के पास सामने से आ रहे कैंटर से बस की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बस में सवार 42 में से चार जवान घायल हो गए। इनमें प्रवीण कुमार (25) पुत्र उमा शंकर, अरुण (31) पुत्र फिरते, संतोष कुमार (30) पुत्र बिहारी शाह और प्रेम (45) शामिल हैं। सूचना मिलते ही चल्थी से पुलिस चौकी प्रभारी देवेंद्र बिष्ट दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को टनकपुर अस्पताल भेजा। सीएमएस डॉ. घनश्याम तिवारी ने बताया कि सिर में ज्यादा चोट लगने के कारण प्रेम को हल्द्वानी रेफर किया गया है जबकि शेष तीन जवानों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

तेज गति में 12 वाहनों का चालान हुआ

परिवहन विभाग ने स्पीड रडार गन के जरिए तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की। एआरटीओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित गति सीमा से तेज चल रहे 12 वाहनों का चालान किया गया। हल्के वाहन पर दो हजार और भारी वाहन चालकों से चार हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। तीन माह तक चालक का लाइसेंस निलंबित रहेगा।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने थाना रायवाला का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 सितम्बर। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने थाना रायवाला का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण निरीक्षण किया। इस दौरान थाने के अर्द्धवार्षिक निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश भी मौजूद रहे।

अर्द्धवार्षिक निरीक्षण के दौरान थाना रायवाला भवन, मैस, बैरिक/ (निर्माणाधीन मार्डन बैरिक) सरकारी कर्मचारी आवास, थाना परिसर मे खडे लावारिस, मुकदमाती वाहन ,एम वी एक्ट के वाहन, आंगतुक रजिस्टर का निरीक्षण, आर्म्स-एम्युनेशन का निरीक्षण व थाना मालखाना , मालखाना संपति आपदा राहत बचाव संबंधी उपकरण (लाइफ जैकेट, रस्सी, हेलमेट), बाडी प्रोटेक्टर आदि का निरीक्षण करते हुए थाना परिसर की साफ सफाई व कार्यालय के समस्त सरकारी अभिलेखो का अवलोकन एवं रखरखाव का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के उपरांत थाने पर मौजूद अधिकारी / कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर उनकी समस्याएं सुनी गयी व आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने कई निर्देश दिये है आइये जानते हैं वो क्या सुझाव और आदेश हैं -

01- पुराने अधिक समय से लंबित माल एवं वाहनों के त्वरित निस्तारण हेतु आदेशित किया गया।

02- थाना परिसर के कर्मचारी आवास मे साफ सफाई हेतु आदेशित किया गया ।

03- थाने के कंडम हो चुके क्राइम किट बाक्स व अन्य सामान की लिस्ट बनाकर पुलिस लाइन स्टोर जमा करवाकर सही सामान मंगवाने हेतु हेडमोहरिर /मालखाना आदेशित किया गया ।

04- थाने मे नियुक्त उ0नि0 गणों व आरक्षियों से अस्लाहो की बारीकियो, खोलना /जोडना आदि के बारे में जानकारी ली गयी ।

05- थाने पर आने वाले फरियादियों की सहायता हेतु बने आगंतुक रजिस्टर में सभी शिकायतों का विवरण व शिकायतों के निस्तारण का विवरण अंकित किये जाने के संबध मे संबधित अधि0 /कर्म0 को आदेशित किया गया व प्रतिदिन थानाध्यक्ष, दिवसाधिकारी महोदय द्वारा आंगतुक रजि0 को चैक करवाने के संबध मे भी आदेशित किया गया ।

06- थाने पर बने बंदी गृह की नियमित सफाई हेतु निर्देशित किया गया ।

07- सीसीटीएन मे सभी उ0नि0 द्वारा स्वयं केश डायरी आनलाइन प्रेषित किये जाने के संबंध मे आदेशित किया गया व कनैक्टिविटी की समस्या के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित से पत्राचार कर समस्या के निस्तारण के संबंध में आदेशित किया गया।

08- कार्यालय के समस्त सरकारी अभिलेखो का अवलोकन एवं रखरखाव का निरीक्षण किया गया व अभिलेखों मे पायी गयी कमियों का त्तकाल दूर करने हेतु आदेशित किया गया ।

ख़राब फॉर्म में चलते रवींद्र जडेजा को किया एशिया कप से बाहर, जडेजा के जगह कौन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

BCCI के मुताबिक रवींद्र जडेजा अपने दाहिने घुटने में चोट के कारण शेष एशिया कप 2022 से बाहर हो गए हैं। पर देखा जाए तो जडेजा अपने ख़राब फॉर्म के चलते बहार हुए है और अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने रवींद्र जडेजा के स्थान पर अक्षर पटेल को नामित किया है। "रवींद्र जडेजा को दाहिने घुटने में चोट लगी और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वह वर्तमान में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में है, "बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा।

बीसीसीआई ने जडेजा की चोट के बारे में ब्योरा नहीं दिया, लेकिन ऐसा लगता है कि बुधवार को हांगकांग के खिलाफ भारत के आखिरी ग्रुप ए मैच के दौरान ऑलराउंडर के घुटने में चोट लग गई होगी।सुपर 4 चरण से पहले जडेजा की चोट भारत के लिए एक बड़ा झटका है।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के एशिया कप के पहले मैच में गेंद और बल्ले दोनों से अहम भूमिका निभाई थी।पाकिस्तान के स्पिनरों मोहम्मद नवाज और शादाब खान द्वारा भारतीय शीर्ष क्रम को दबाने के बाद जडेजा को नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के लिए पदोन्नत किया गया था और यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक निकला क्योंकि बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 29 गेंदों में 35 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या के साथ उनकी 36 और 52 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी ने भारत को लक्ष्य का पीछा करने के लिए वापस ला दिया।

गेंद के साथ भी उन्होंने बीच में दो सही ओवर फेंके और सिर्फ 11 रन दिए।हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ मैच में जडेजा को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन वह भारत के सबसे किफायती गेंदबाज थे। 193 रनों का पीछा करते हुए पावरप्ले का अच्छा इस्तेमाल करने के बावजूद बीच में 15 रन देकर 1 विकेट पर उनका 4 ओवर था जिसने हांगकांग की बल्लेबाजी इकाई को चोक कर दिया।

देहरादून और नैनीताल में भारी बारिश का येलो अलर्ट, अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 सितम्बर। अगले 24 घंटे में देहरादून और नैनीताल जनपद में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञानियों ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी के मुताबिक, इन जिलों के ज्यादातर इलाकों में तेज गर्जना के साथ कहीं-कहीं भारी से बहुत अधिक भारी बारिश की संभावना है। मैदान से पहाड़ के अन्य इलाकों में भी तेज हवा के साथ ही कहीं-कहीं झमाझम बारिश की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक एवं वरिष्ठ मौसम विज्ञानी विक्रम सिंह ने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान देहरादून और नैनीताल में आपदा प्रबंधन के लिहाज से सतर्क रहने की जरूरत है। इस संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया है। दूसरी ओर राजधानी और आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावनाओं के मद्देनजर जिलाधिकारी सोनिका ने आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

पर्वतीय क्षेत्रों में दो दिनों से लगातार बारिश से अधिकांश रास्ते बंद हैं। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्यासी व सिंगटाली के पास मलबा आने से रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। शाम को बंद रास्ता खुला, जिससे आवागमन शुरू हुआ। वहीं, ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी नरेंद्र नगर के पास पहाड़ खिसकने से भारी वाहनों का आवागमन बंद रहा।

बुधवार रात को हुई भारी बारिश से ब्यासी के पास पहाड़ से मलबा आने से ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई थी। बीती रात हुई बारिश से ब्यासी के साथ ही सिंगटाली के पास भी पहाड़ से भारी मात्रा में मलबा आने से मार्ग शुक्रवार को पूरे दिन बंद रहा। एनएच विभाग ने काफी मशक्कत के बाद शाम करीब पांच बजे मार्ग को वाहनों के आवागमन के लिए खोला। एनएच श्रीनगर के कनिष्ठ अभियंता अनूप सकलानी ने बताया कि भारी बारिश से देर रात को ब्यासी और सिंगटाली के पास पहाड़ दरकने से सड़क पर भारी संख्या में मलबा आ गया था, जिससे शुक्रवार को मार्ग आवागमन के लिए पूरी तरह बंद रहा।

विभाग ने मशक्कत के बाद मार्ग को शाम को वाहनों के लिए खोला। उधर, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी बारिश से नरेंद्र नगर के पास भूस्खलन होने से सड़क के नीचे से जमीन खिसक गई, जिससे हाईवे को शुक्रवार को भी भारी वाहनों की आवाजाही के लिए प्रतिबंधित रखा गया। एमजी कांट्रेक्टर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक एनके यादव ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। कंपनी मौके पर लगातार मार्ग की मरम्मत का कार्य कर रही है। जल्द मार्ग को भारी वाहनों के लिए भी खोल दिया जाएगा।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा